IASBABA

One Stop Destination for UPSC/IAS Preparation

60 Days Week-1&2 Compilation

DELHI

5B, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi –110005. Landmark: Just 50m from Karol Bagh Metro Station, GATE No. 8 (Next to Croma Store)

Ph:0114167500

BANGALORE

#1737/37, MRCR Layout, Vijaynagar Service Road, Vijaynagar, Bangalore 560040. PH: 09035077800 / 7353277800

support@iasbaba.com

www.iasbaba.com

Q.1) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

भूमि राजस्व प्रणाली	**प्रस्तुतकर्ता**
1. रैयतवाड़ी	अलेक्जेंडर रीड
2. महालवाड़ी	थॉमस मुनरो
3. स्थायी बंदोबस्त	लॉर्ड वैलेज़ली

ऊपर दी गई कौन सी जोड़ी गलत तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.1) Solution (c)

युग्म 1	**युग्म 2**	**युग्म 3**
सत्य	**असत्य**	**असत्य**
1820 में थॉमस मुनरो और अलेक्जेंडर रीड द्वारा रैयतवाड़ी प्रणाली की शुरुआत की गई थी। आरंभ में ब्रिटिश भारत के प्रमुख क्षेत्रों में मद्रास, बॉम्बे, असम के कुछ भाग और कुर्ग प्रांत शामिल हैं।	1833 में उत्तर-पश्चिम सीमांत, आगरा, केंद्रीय प्रांत, गंगा घाटी, पंजाब इत्यादि में हॉल्ट मैकेंज़ी और रॉबर्ट मेर्टिंस बर्ड द्वारा महालवाड़ी प्रणाली की शुरुआत की गई थी। विलियम बैंटिक के कार्यकाल में इसे प्रस्तुत किया गया था।	1793 में लॉर्ड कॉर्नवालिस द्वारा स्थायी बंदोबस्त अधिनियम के माध्यम से ज़मींदारी प्रणाली या स्थायी बंदोबस्त आरंभ किया गया था। इसे बंगाल, बिहार, उड़ीसा तथा वाराणसी के प्रांतों में प्रस्तुत किया गया था।

Q.2) बोमलीपट्टम, चिनसुरा, बालासोर और कासिम बाजार जैसे स्थानों पर फैक्ट्रियों की स्थापना किसके द्वारा आरंभ में की गई थी?

a) डच
b) अंग्रेजी
c) पुर्तगाली

d) फ्रांसीसी

Q.2) Solution (a)

पुर्तगाली फैक्ट्री	कालीकट (कोझिकोड), कोचीन, कैनानोर (कन्नूर), गोवा, दमन।
अंग्रेजी फैक्ट्री	सूरत (1613), आगरा, अहमदाबाद और भड़ौच, बॉम्बे, मद्रास और कलकत्ता।
फ्रांसीसी फैक्ट्री	सूरत, मसूलीपट्टनम, पांडिचेरी।
डच फैक्ट्री	मूसलीपट्टनम (1605), पुलिकट (1610), सूरत (1616), बिमलीपट्टम (1641), करैकल (1645), चिनसुरा (1653), कासिम बाजार (कासिम बाजार, बारानागोर, पटना, बालासोर, नागापट्टम (1658) और कोचीन (1663) ।

Q.3) इलाहाबाद संधि के साथ, ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में एक सुदृढ़ राजनीतिक लाभ मिला। निम्नलिखित में से कौन सा कथन इलाहाबाद संधि के बारे में सही है / हैं?

1. प्लासी की लड़ाई के परिणामस्वरूप मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय और रॉबर्ट क्लाइव के बीच संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।
2. मुगल को प्रतिवर्ष दी जाने वाली 26 लाख रुपये की पेंशन के बदले में ब्रिटिश सीधे कर वसूलने के हकदार थे।
3. नवाब के साथ मद्रास में सरकार की दोहरी प्रणाली स्थापित की गई थी, जिसमें नवाब के पास न्यायिक कार्यों को बरकरार रखा गया था, लेकिन कंपनी के पास राजस्व एकत्र करने की शक्ति थी।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 1 और 3
d) केवल 2 और 3

Q.3) Solution (b)

- इलाहाबाद संधि ने भारत में राजनीतिक और संवैधानिक हस्तक्षेप तथा ब्रिटिश शासन की शुरुआत को चिह्नित किया।

- इस संधि के साथ, ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में एक सुदृढ़ राजनीतिक लाभ मिला। संधि से पहले, ब्रिटिशों का केवल भारतीय शासकों के साथ एक मजबूत व्यापारिक संबंध था।
- यह संधि उन कारकों में से एक थी, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि वे अगली दो शताब्दियों तक भारत पर शासन करेंगे।

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
बक्सर की लड़ाई के परिणाम स्वरूप मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय और रॉबर्ट क्लाइव के बीच 12 अगस्त 1765 को इलाहाबाद की संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।	संधि ने कंपनी को लगभग 40,000 वर्ग किलोमीटर कर योग्य उपजाऊ भूमि तक पहुंच प्रदान की। मुगल को प्रतिवर्ष दी जाने वाली 26 लाख रुपये की पेंशन के बदले में अंग्रेज सीधे कर वसूलने के हकदार बन गए थे।	बंगाल में नवाब के साथ सरकार की दोहरी प्रणाली स्थापित की गई थी, जिसमे न्यायिक कार्यों को नवाब के पास बरकरार रखा गया था, लेकिन कंपनी के पास राजस्व एकत्र करने की शक्ति थी।

Q.4) ब्रिटिश नीतियों ने वि-औद्योगीकरण (de-industrialisation) का नेतृत्व किया है। भारत में निम्नलिखित में से कौन सा इसका परिणाम नहीं है?

a) अत्यधिक लोगों की कृषि पर निर्भरता के प्रभाव से कृषि दक्षता कम हो गई।
b) सस्ते आयात से हस्तशिल्प उद्योग पूरी तरह से ध्वस्त हो गया।
c) आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया जिससे उच्च दरिद्रता हो गई।
d) भारत से कच्चे माल के निर्यात में तथा तैयार माल के आयात में वृद्धि हुई।

Q.4) Solution (b)

- भारत सही शब्दों और आधुनिक अर्थों में एक औद्योगिक देश नहीं है। लेकिन 17 वीं और 18 वीं शताब्दी के मानकों से, यानी, भारत में यूरोपीय लोगों के आगमन से पहले, भारत विश्व की 'औद्योगिक कार्यशाला' था।
- इसके अलावा, भारत की पारंपरिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था "कृषि और हस्तशिल्प के सम्मिश्रण" की विशेषता थी।
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था के इस आंतरिक संतुलन को ब्रिटिश सरकार ने व्यवस्थित रूप से समाप्त कर डाला था। इस प्रक्रिया में, पारंपरिक हस्तकला उद्योग अपने पूर्व-अस्तित्व से निम्नतर हो गए तथा इसकी गिरावट 18 वीं शताब्दी के प्रारंभ में आरंभ हुई और 19 वीं शताब्दी की शुरुआत में तेजी से आगे बढ़ी। इस प्रक्रिया को वि-औद्योगीकरण' के रूप में जाना जाता है, जो औद्योगिकीकरण के विपरीत है।

- भारतीय हस्तशिल्प को विदेशी वस्तुओं से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा क्योंकि भारतीय वस्त्रों के लिए उच्च शुल्क थे तथा ब्रिटेन से तैयार मालों के लिए कम शुल्क थे। इन सभी के कारण हस्तशिल्प उद्योग में गिरावट आई। हालाँकि ये नीतियां पारंपरिक हस्तकला उद्योग को पूरी तरह से नहीं समाप्त कर सके। यहां विकल्प (b) एक अस्पष्ट कथन है और इसलिए गलत है।
- अन्य सभी कथन भारत में वि-औद्योगीकरण के परिणाम हैं।

Q.5) 1854 के 'वुड्स डिस्पैच' को 'भारत में अंग्रेजी शिक्षा का मैग्नाकार्टा' कहा जाता है। वुड्स डिस्पैच की निम्नलिखित सिफारिशों पर विचार करें:

1. इसने जन शिक्षा को बढ़ावा देकर शिक्षा की पहुंच का विस्तार किया।
2. प्रत्येक जिले में एक शिक्षा विभाग स्थापित किया जाना है।
3. भारतीय मूल निवासियों को उनकी मातृभाषा में भी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।
4. इसने निजी उद्यमों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु अनुदान सहायता प्रणाली की सिफारिश की।

ऊपर दी गई सिफारिशों में से कौन सी सही है / हैं?

a) केवल 1,2 और 3
b) केवल 2 और 4
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2, 3 और 4

Q.5) Solution (c)

- चार्ल्स वुड एक ब्रिटिश उदारवादी राजनेता और संसद सदस्य थे। उन्होंने 1846 से 1852 तक राजकोषीय चांसलर के रूप में कार्य किया। बाद में वे ईस्ट इंडिया कंपनी के नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष बने।
- 1854 में उन्होंने गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी को "वुड्स डिस्पैच" भेजा।
- वुड्स डिस्पैच की सिफारिशें निम्नलिखित हैं
  - कलकत्ता, बॉम्बे और मद्रास में अंग्रेजी, अरबी, संस्कृत, फारसी, कानून और सिविल इंजीनियरिंग विभागों के साथ विश्वविद्यालयों की स्थापना करना।
  - निजी उद्यमों को प्रोत्साहित करने के लिए अनुदान सहायता प्रणाली।
  - बालिका विद्यालयों की स्थापना कर महिला शिक्षा को बढ़ावा देना।
  - पेशेवर शिक्षा-चिकित्सा, कानून और इंजीनियरिंग को प्रोत्साहित करना
  - प्रत्येक प्रांत में शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालयों की स्थापना।

कथन 1 और 3	**कथन 2**	**कथन 4**

सत्य	असत्य	असत्य
अंग्रेजी के साथ-साथ भारतीय भाषाओं को शिक्षा के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए तथा कॉलेजों, स्कूलों की स्थापना करके सामूहिक शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए।	प्रत्येक **5 प्रांतों** (बंगाल, बंबई, मद्रास, पंजाब और उत्तरी पश्चिमी प्रांतों) में एक निदेशक के नेतृत्व में स्थापित किया जाना है।	शिक्षकों का वेतन बढ़ाने, स्कूल निर्माणों को बढ़ावा देने, छात्रों को छात्रवृत्ति देने, साहित्यकारों की स्थितियों में सुधार करने, विज्ञान विभाग खोलने आदि के लिए दी जाने वाली अनुदान सहायता के साथ स्कूलों ने छात्रों से शुल्क लिया, **इसलिए शिक्षा मुफ्त नहीं थी।**

Q.6) भारत में यूरोपीय लोगों के आगमन के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. डच ईस्ट इंडिया कंपनी के अपने सभी व्यापार केंद्र पूर्वी तट की ओर थे।
2. कालीकट की खोज के बाद वास्को डी गामा और ज़मोरिन के सौहार्दपूर्ण संबंध थे।
3. 1613 से, बॉम्बे पश्चिमी तट पर इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी का मुख्यालय था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1, 2 और 3
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.6) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
डच ईस्ट इंडिया कंपनी का गठन 1602 में किया गया था, लेकिन डचों की मुख्य दिलचस्पी भारत में नहीं, बल्कि इंडोनेशियाई द्वीपों में थी, जहाँ मसालों का उत्पादन होता था। डचों ने भारत में सूरत,	जब वास्को डी गामा कालीकट में उतरा, तो उसने ज़मोरिन से सौहार्दपूर्वक व्यवहार प्राप्त किया, और उसे मसालों में व्यापार करने और तट पर एक कारखाना (वेयर-हाउस) स्थापित करने की	1613 से, सूरत पश्चिमी तट पर इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी का मुख्यालय था, लेकिन 1668 को, जब ब्रिटिश सरकार से ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा बॉम्बे (वर्तमान मुंबई) का अधिग्रहण किया गया था (1662

भड़ौच, खंबात, नागपट्टनम, मछलीपट्टनम, चिनसुरा, पटना, और आगरा यानि भारत के दोनों तटों पर व्यापारिक डिपो स्थापित किए।	अनुमति मिली। लेकिन, 1502 में, वास्को डी गामा ने मांग की कि ज़मोरिन को वहां बसे सभी मुस्लिम व्यापारियों को निष्कासित करना चाहिए। लेकिन ज़मोरिन ने मांग को खारिज कर दिया तथा कालीकट का बंदरगाह सभी के लिए खुला रहने दिया था।	में बॉम्बे इंग्लैंड के प्रिंस चार्ल्स-II स्पेन द्वारा अपने राजकुमारी कैथरीन की शादी में दहेज के रूप में को दिया गया था)। इसके बाद पश्चिमी तट के मुख्यालय के रूप में सूरत को बंबई ने प्रतिस्थापित किया।

Q.7) आंग्ल-फ्रांसीसी युद्धों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. प्रथम आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध में फ्रांसीसी की हार हुई तथा यह पेरिस संधि के साथ समाप्त हो गया था।
2. पांडिचेरी की संधि ने द्वितीय आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध को समाप्त कर दिया था।
3. तृतीय आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध फ्रांसीसी के लिए एक निर्णायक हार थी तथा ऐक्स-ला-चैपेल संधि ने भारत में इस युद्ध को समाप्त कर दिया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 2
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.7) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
प्रथम आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध - 1746 से 1748 तक चला। फ्रांसीसी की पराजय हुई। ऐक्स-ला-चैपल संधि के माध्यम से युद्ध समाप्त हुआ।	द्वितीय आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध 1749 से 1754 तक चला। पांडिचेरी की संधि ने युद्ध को समाप्त किया।	तृतीय आंग्ल-फ्रांसीसी युद्ध 1758 से 1763 तक चला। यह फ्रांसीसी की निर्णायक हार थी। पेरिस संधि ने भारत में इस युद्ध को समाप्त किया। इसमें पॉन्डिचेरी को फ्रांसीसी को लौटा दिया गया था।

Q.8) 'गोएन्ड' (Goyendas) शब्द निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

a) जासूस प्रणाली
b) राजस्व संग्रह
c) न्यायिक प्रणाली
d) जमींदारी प्रथा

Q.8) Solution (a)

- मुगल शासन के तहत फौजदार वो थे, जो कानून और व्यवस्था बनाए रखने में मदद करते थे, तथा आमिल जो मूल रूप से राजस्व संग्रहकर्ता थे, लेकिन यदि कोई आवश्यकता हो, तो उन्हें विद्रोहियों के साथ संघर्ष करना पड़ता था। कोतवाल शहरों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उत्तरदायी थे।
- 1774 में, वॉरेन हेस्टिंग्स ने फौजदारों की संस्था को बहाल किया तथा जमींदारों को डकैतों, हिंसा और अव्यवस्था के दमन में उनकी सहायता करने के लिए कहा।
- 1808 में, लॉर्ड मेयो ने कई जासूसों (गोएन्ड) की मदद से प्रत्येक डिवीजन के लिए एक पुलिस अधीक्षक (एसपी) की नियुक्ति की, लेकिन इन जासूसों ने स्थानीय लोगों पर प्रतिशोध लिया।

Q.9) **सांविधिक सिविल सेवा** (Statutory Civil Service) **के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. इसे भारत में लॉर्ड लिटन द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
2. इसमें भारतीयों द्वारा नामांकन के माध्यम से भरे जाने वाले वाचा के एक तिहाई पद (one-third of covenanted posts) शामिल थे।
3. बाद में इसे सुधारों के साथ जारी रखा गया जैसा कि ऐचिसन आयोग द्वारा सिफारिश की गई थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 3

Q.9) Solution (a)

- **एचिसन आयोग** की सिफारिशें:
  - नागरिक सेवाओं के दो-स्तरीय वर्गीकरण को वाचा और अवाचा (covenanted and uncovenanted) को बदलकर एक त्रि-स्तरीय वर्गीकरण (इंपीरियल, प्रांतीय और अधीनस्थ नागरिक सेवाओं) द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।
  - सिविल सेवाओं में प्रवेश के लिए अधिकतम आयु 23 वर्ष होनी चाहिए।
  - भर्ती की सांविधिक सिविल सेवा प्रणाली को समाप्त कर दिया जाना चाहिए।

- प्रतियोगी परीक्षा इंग्लैंड और भारत में एक साथ आयोजित नहीं की जानी चाहिए
- इंपीरियल सिविल सेवा में कुछ प्रतिशत पद प्रांतीय सिविल सेवा के सदस्यों के पदोन्नति द्वारा भरे जाने चाहिए।

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	असत्य	असत्य
लॉर्ड लिटन ने 1878-79 में सांविधिक सिविल सेवा की शुरुआत की।	सांविधिक सिविल सेवा में स्थानीय सरकारों द्वारा नामांकन के माध्यम से उच्च परिवारों के भारतीयों द्वारा भरे जाने वाले वाचा के एक-छठे पद (one-sixth) शामिल थे जो राज्य सचिव और वायसराय द्वारा अनुमोदन के अधीन थे।	सांविधिक सिविल सेवा के सदस्यों के पास निम्न दर्जा और कम वेतन था तथा यह आलोचना का विषय बन गया। सिविल सेवा पर एचिसन आयोग 1886 ने इसके उन्मूलन के लिए सिफारिश की तथा अंततः इसे 1887-88 में समाप्त कर दिया गया।

Q.10) भारतीय प्रेस के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. चार्ल्स मेटकाफ को भारत में 'प्रेस का मुक्तिदाता' कहा जाता है।
2. 1867 का पंजीकरण अधिनियम, जिसने 1835 के प्रेस अधिनियम को स्थानांतरित कर दिया गया था, प्रकृति में प्रतिबंधात्मक था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.10) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य

1835 में चार्ल्स मेटकाफ द्वारा भारतीय प्रेस को प्रतिबंधों से मुक्त कर दिया गया। उन्हें 'भारतीय प्रेस का मुक्तिदाता' कहा जाता है। इस कदम का शिक्षित भारतीयों ने उत्साह से स्वागत किया था। यह एक कारण था कि उन्होंने कुछ समय तक भारत में ब्रिटिश शासन का समर्थन किया।	प्रेस के प्रति विशेष रूप से निर्देशित सबसे पुराना जीवित अधिनियम 1867 में प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ बुक्स एक्ट (PRB अधिनियम) (1867 का XXV) पारित किया गया था। हालाँकि इसका उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता पर सरकारी नियंत्रण स्थापित करना नहीं था। यह एक नियामक कानून था जिसने सरकार को पंजीकरण की एक प्रणाली द्वारा प्रिंटिंग प्रेस और समाचार पत्रों को विनियमित करने तथा भारत में मुद्रित पुस्तकों और अन्य मामलों की प्रतियों को संरक्षित करने में सक्षम बनाया। इस अधिनियम में 1835 के मेटकाफ अधिनियम द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में ढील दी गई है तथा इसलिए कहा गया है कि सरकार नियामक के रूप में कार्य करती है न कि प्रतिबंधात्मक निकाय के रूप में।

Q.11) आधुनिक भारतीय इतिहास में, मेयो का 1870 का संकल्प किससे संबंधित था

a) पुलिस सुधार
b) वित्तीय विकेंद्रीकरण
c) शैक्षिक सुधार
d) वर्नाक्यूलर प्रेस

Q.11) Solution (b)

- 1870 का मेयो संकल्प: यह संकल्प वित्तीय विकेंद्रीकरण से संबंधित था जो 1861 के भारतीय परिषद अधिनियम द्वारा विधायी विचलन (legislative devolution) था।
- इंपीरियल सरकार से वार्षिक अनुदान के अलावा, प्रांतीय सरकारों को अपने बजट को संतुलित करने के लिए स्थानीय कराधान का सहारा लेने के लिए अधिकृत किया गया था। यह प्रशासन के कुछ विभागों जैसे चिकित्सा सेवाओं, शिक्षा और सड़कों पर प्रांतीय सरकारों के नियंत्रण के हस्तांतरण के संदर्भ में किया गया था। यह स्थानीय वित्त की शुरुआत थी।

Q.12) 1833 के चार्टर अधिनियम के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसने ईस्ट इंडिया कंपनी की वाणिज्यिक गतिविधियों को समाप्त कर दिया तथा इसे एक प्रशासनिक निकाय तक सीमित कर दिया।
2. इसने ब्रिटिश भारत सरकार को दास प्रथा समाप्त करने का निर्देश दिया।

3. प्रत्येक वर्ष भारत के मूल निवासियों के बीच साहित्य, शिक्षा और विज्ञान के पुनरुद्धार, प्रोत्साहन और संवर्धन के लिए एक लाख रुपये की राशि निर्धारित की जानी थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.12) Solution (a)

- 1833 के चार्टर अधिनियम के कुछ प्रावधान हैं:
    - किसी भी भारतीय नागरिक को कंपनी के तहत धर्म, रंग, जन्म, वंश आदि के आधार पर रोजगार से वंचित नहीं किया जाना था।
    - कानून बनाने पर पेशेवर सलाह के लिए गवर्नर जनरल काउंसिल में एक कानून सदस्य जोड़ा गया।
    - भारतीयों के कानूनों को संहिताबद्ध और समेकित किया जाना था।
    - यूरोपीय आव्रजन और भारत में संपत्ति के अधिग्रहण पर सभी प्रतिबंध हटा दिए गए थे।

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
इस अधिनियम ने एक वाणिज्यिक निकाय के रूप में ईस्ट इंडिया कंपनी की गतिविधियों को समाप्त कर दिया, जो विशुद्ध रूप से प्रशासनिक निकाय बन गया था। यह प्रावधान प्रदान करता है कि भारत में कंपनी के क्षेत्र 'उसकी महामहिम, उसके उत्तराधिकारियों के विश्वास' के अंतर्गत थे	इसने चीन के साथ और चाय में व्यापार पर कंपनी के एकाधिकार को समाप्त कर दिया। इसने भारत सरकार को दास प्रथा को खत्म करने का निर्देश दिया। 1843 में दास प्रथा को समाप्त कर दिया गया।	1813 के चार्टर अधिनियम के तहत, प्रत्येक वर्ष भारत के मूल निवासियों के बीच साहित्य, शिक्षा और विज्ञान के पुनरुद्धार, प्रोत्साहन और संवर्धन के लिए एक लाख रुपये की राशि अलग से निर्धारित किए जाने का प्रावधान था।

Q.13) ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ सहायक संधि (Subsidiary Alliance) पर हस्ताक्षर करके, भारत के एक राज्य को

1. क्षेत्र के भीतर एक ब्रिटिश सेना स्थायी रूप से स्वीकार करना।
2. किसी भी यूरोपीय को नियुक्त करने के लिए अंग्रेजों की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता थी, यह प्रावधान किसी अन्य भारतीय शासक से समझौते के मामले में लागु नही था।
3. शासक के दरबार में एक ब्रिटिश रेजिडेंट की नियुक्ति

ऊपर दिए गए निम्नलिखित में से किसके लिए सहमत होना था?

अपने **कथनों में से कौन सा सही है / हैं?**

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.13) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
इस प्रणाली के तहत, भारतीय राज्य के शासक को अपने क्षेत्र के भीतर एक ब्रिटिश सेना की स्थायी तैनाती को स्वीकार करने तथा इसके रखरखाव के लिए सब्सिडी का भुगतान करने के लिए मजबूर किया गया था।	प्रणाली के तहत, भारतीय शासक अंग्रेजों की पूर्व स्वीकृति के बिना किसी भी यूरोपीय को अपनी सेवा में नियुक्त नहीं कर सकता था। तथा न ही वह गवर्नर-जनरल की सलाह के बिना किसी अन्य भारतीय शासक के साथ बातचीत कर सकता था। भारतीय राज्य भी ब्रिटिश अनुमोदन के बिना किसी अन्य भारतीय राज्य के साथ किसी भी राजनीतिक संबंध में प्रवेश नहीं कर सकता थे।	संधि के तहत एक ब्रिटिश रेजिडेंट भी भारतीय शासकों के दरबार में तैनात था। अंग्रेजों ने भारतीय राज्य के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने का वादा किया था लेकिन यह शायद ही कभी माना गया था।

Q.14) **निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:**

आयोग	**संबंधित**

1. लॉर्ड वेल्बी	पुलिस सुधार
2. फाउलर	मुद्रा
3. रिचर्ड स्ट्रेची	अकाल

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.14) Solution (c)

युग्म 1	**युग्म 2**	**युग्म 3**
असत्य	**सत्य**	**सत्य**
1895 में, भारतीय व्यय प्रशासन पर शाही आयोग, जिसे आमतौर पर वेल्बी आयोग के रूप में जाना जाता है, की स्थापना भारतीय व्यय को देखने के लिए की गई थी।	फाउलर समिति या भारतीय मुद्रा समिति भारत में ब्रिटिश सरकार द्वारा 29 अप्रैल 1898 को भारत में मुद्रा की स्थिति की जांच के लिए नियुक्त की गई एक सरकारी समिति थी।	1880 के रिचर्ड स्ट्रेची आयोग को अकाल से निपटने के लिए एक सामान्य रणनीति और सिद्धांत विकसित करने के लिए बनाया गया था। यह लॉर्ड लिटन की अवधि के दौरान गठित किया गया था।

Q.15) एक कालानुक्रमिक क्रम में निम्नलिखित युद्धों को व्यवस्थित करें:

1. प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध
2. द्वितीय आंग्ल-बर्मा युद्ध
3. प्रथम आंग्ल-नेपाल युद्ध
4. द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) 4 - 3 - 1 - 2
b) 1 - 2 - 4 - 3

c) 2 - 3 - 1 - 4
d) 3 - 1 - 4 - 2

Q.15) Solution (d)

- नालपानी की लड़ाई 1814-1816 के आंग्ल-नेपाली युद्ध की पहली लड़ाई थी, जो ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल की सेनाओं, जो गोरखाओं द्वारा प्रशासित थी, के बीच लड़ी गई।
- प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध (जिसे अफगानिस्तान में आपदा के रूप में अंग्रेजों द्वारा भी जाना जाता है) को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और अफगानिस्तान के अमीर के बीच 1839 से 1842 के बीच लड़ा गया था।
- द्वितीय आंग्ल-सिख युद्ध सिख साम्राज्य और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच एक सैन्य संघर्ष था जो 1848 और 1849 में हुआ था। इसके परिणामस्वरूप सिख साम्राज्य का पतन हुआ, तथा पंजाब का अधिग्रहण हुआ, जो बाद में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा उत्तर-पश्चिम सीमांत प्रांत बन गया।
- द्वितीय आंग्ल-बर्मा युद्ध या दूसरा बर्मा युद्ध (1851 से 1852) 19 वीं शताब्दी के दौरान बर्मी और ब्रिटिश सेना के बीच लड़े गए तीन युद्धों में से दूसरा था, जिसमें बर्मा की संप्रभुता और स्वतंत्रता के क्रमिक विलुप्त होने के परिणाम थे।
- इसलिए सही कालानुक्रमिक क्रम प्रथम आंग्ल-नेपाली युद्ध (1814-1816) <प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध (1839 से 1842) <द्वितीय जंगल-सिख युद्ध (1848 और 1849) <द्वितीय आंग्ल-बर्मी युद्ध (1851 से 1852) है।

Q.16) घेरे की नीति (*Policy of Ring Fence*) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. इसे रॉबर्ट क्लाइव द्वारा अपनाया गया, जिसने उसे कई भारतीय शासकों पर विजय दिलाई।
2. इस नीति के तहत ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में फ्रांसीसी बस्तियों के पड़ोसी शासकों के साथ गठजोड़ किया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.16) Solution (d)

कथन 1	**कथन 2**

असत्य	**असत्य**
वारेन हेस्टिंग्स ने घेरे की एक नीति का पालन किया जिसका उद्देश्य कंपनी के सीमाओं की रक्षा के लिए बफर जोन बनाना था। मोटे तौर पर, अपने स्वयं के प्रदेशों की सुरक्षा के लिए यह उनके पड़ोसियों की सीमाओं की रक्षा की नीति थी।	यह उनके अपने क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए उनके पड़ोसियों की सीमाओं की रक्षा की नीति थी। वारेन हेस्टिंग्स की यह नीति मराठों और मैसूर के खिलाफ उनके युद्ध में परिलक्षित हुई थी। घेरे की प्रणाली के तहत लाए गए राज्यों को, लेकिन अपने स्वयं के खर्च पर बाहरी आक्रमण के खिलाफ सैन्य सहायता का आश्वासन दिया गया था। दूसरे शब्दों में, इन सहयोगियों को सहायक बलों को बनाए रखने की आवश्यकता थी, जिन्हें कंपनी के अधिकारियों द्वारा संगठित, सुसज्जित और कमान किया जाना था, जो बदले में, इन राज्यों के शासकों द्वारा भुगतान किया जाना था।

Q.17) भारत में ब्रिटिश द्वारा किए गए न्यायिक सुधारों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वॉरेन हेस्टिंग्स ने सिविल जज और कलेक्टर के पदों को पृथक किया।
2. लॉर्ड कॉर्नवॉलिस द्वारा सर्किट कोर्ट की स्थापना की गई थी।
3. विलियम बैंटिक ने न्यायालयों में देशीय भाषा (vernacular language) को बढ़ावा दिया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.17) Solution (c)

- **वारेन हेस्टिंग्स के अंतर्गत सुधार (1772-1785 ई।)**
  - वारेन हस्टिंग ने विवादों को सुलझाने के लिए दो अदालतें स्थापित किया- सिविल विवादों के लिए जिला दीवानी अदालत तथा आपराधिक विवाद के लिए जिला फौजदारी अदालतों।
  - जिला दीवानी अदालत: यह उन सिविल विवादों को हल करने के लिए जिलों में स्थापित किया गया था जिन्हें कलेक्टर के अधीन रखा गया था। इस अदालत में हिंदू कानून हिंदू के लिए और मुस्लिम कानून मुस्लिम के लिए लागू था। यदि लोग और अधिक न्याय चाहते हैं, तो वे सदर दीवानी अदालत में जा सकते हैं, जो सर्वोच्च परिषद के एक अध्यक्ष और दो सदस्यों के अधीन कार्य करती थी।

- जिला फौजदारी अदालतें: यह उन आपराधिक मुद्दों को हल करने के लिए स्थापित किया गया था जिन्हें काज़ी और मुफ़्ती द्वारा सहायता प्राप्त एक भारतीय अधिकारियों के अधीन रखा गया था। इस अदालत का संपूर्ण कामकाज कलेक्टर द्वारा प्रशासित किया गया था। इस अदालत में मुस्लिम कानून लागू था। लेकिन मृत्युदंड की मंजूरी और सजा के लिए सदर निजामत अदालत थी जिसकी अध्यक्षता एक उप निज़ाम करता था, जिसे प्रमुख काज़ी और प्रमुख मुफ़्ती द्वारा सहायता दी जाती थी।

- **कॉर्नवॉलिस के तहत सुधार (1786-1793 ई।)**
    - कॉर्नवॉलिस के तहत, जिला फौजदारी कोर्ट को समाप्त कर दिया गया था तथा कलकत्ता, ढाका, मुर्शिदाबाद और पटना में सर्किट कोर्ट स्थापित किया गया था। यह नागरिक के साथ-साथ आपराधिक मामलों के लिए अपील की अदालत के रूप में कार्य करता है, जो यूरोपीय न्यायाधीशों के अधीन कार्य करती थी। उन्होंने सदर निज़ामत अदालत को कलकत्ता में स्थानांतरित कर दिया तथा इसे गवर्नर-जनरल और सुप्रीम काउंसिल के सदस्यों की देखरेख में रख दिया, जिन्हें मुख्य काज़ी और मुख्य मुफ़्ती द्वारा सहायता प्रदान की जाती थी। जिला दीवानी अदालत का नाम बदलकर जिला, शहर या जिला न्यायालय कर दिया गया था, जो जिला न्यायाधीश के अधीन कार्य करती थी।
    - उन्होंने हिंदू और मुस्लिम दोनों के लिए मुंसिफ कोर्ट, रजिस्ट्रार कोर्ट, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, सदर दीवानी अदालत और किंग-इन-काउंसिल जैसी नागरिक अदालतों की स्थापना की। उन्हें कानून की संप्रभुता की स्थापना के लिए जाना जाता है।

- **विलियम बेंटिक** (1828 से 1835) **के तहत सुधार**
    - विलियम बेंटिक के तहत, चार सर्किट न्यायालयों को समाप्त कर दिया गया तथा राजस्व और सर्किट आयुक्त की देखरेख में समाप्त न्यायालय के कार्यों को कलेक्टरों को स्थानांतरित कर दिया गया।
    - इलाहाबाद में सदर दीवानी अदालत और सदर निजामत अदालत की स्थापना की गई।
    - उन्होंने निचली अदालत में कार्यवाही के लिए फारसी और वर्नाक्यूलर (देशीय) भाषा अपनायी तथा सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही के लिए अंग्रेजी भाषा को आधिकारिक भाषा बनाया।
    - उनके शासनकाल के दौरान, मैकाले के अंतर्गत विधि आयोग की स्थापना की गई, जिसने भारतीय कानूनों को संहिताबद्ध किया। इस आयोग के आधार पर, 1859 की एक नागरिक प्रक्रिया संहिता, 1860 की एक भारतीय दंड संहिता तथा 1861 की एक आपराधिक प्रक्रिया संहिता तैयार की गयी थी।

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**

असत्य	सत्य	सत्य
प्रत्येक जिले में दीवानी अदालत, या सिविल कोर्ट स्थापित किया गया था, जिसकी अध्यक्षता जिला न्यायाधीश करते थे, जो सिविल सेवा से संबंधित थे। इस प्रकार कॉर्नवॉलिस ने सिविल जज और कलेक्टर के पदों को अलग कर दिया।	कॉर्नवॉलिस ने एक उच्च अदालत के साथ सर्किट कोर्ट की एक प्रणाली शुरू की, जो कलकत्ता में स्थापित थी और उसे सर्किट कोर्ट के निर्णयों की समीक्षा की शक्ति थी। न्यायाधीशों को कंपनी के यूरोपीय कर्मचारियों से लिया गया था।	बेंटिक ने फ़ारसी के स्थान पर देशीय भाषा के उपयोग करने का आदेश दिया। वादी के पास फ़ारसी या एक देशीय भाषा का उपयोग करने का विकल्प था, जबकि सुप्रीम कोर्ट में अंग्रेजी भाषा ने फ़ारसी का स्थान ले लिया था।

Q.18) निम्नलिखित में से कौन सा अधिनियम, ईस्ट इंडिया कंपनी पर संसदीय नियंत्रण की शुरुआत का प्रतीक है?

a) 1813 का चार्टर एक्ट
b) 1833 का चार्टर एक्ट
c) पिट्स इंडिया एक्ट, 1784
d) रेगुलेटिंग एक्ट, 1773

Q.18) Solution (d)

- 1773 का विनियमन अधिनियम भारत के विधायी इतिहास में एक विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह कंपनी की सरकार पर संसदीय नियंत्रण की शुरुआत का प्रतीक है।
- यह अधिनियम भारत में क्षेत्रीय एकीकरण और प्रशासनिक केंद्रीकरण की प्रक्रिया शुरू करने के लिए भी कहा जाता है।
- इसने बंगाल प्रेसीडेंसी का वर्चस्व कायम किया तथा बंगाल के गवर्नर को गवर्नर-जनरल के रूप में नियुक्त किया गया। गवर्नर-जनरल की सहायता के लिए चार सदस्यों वाली एक परिषद का गठन किया गया था।

Q.19) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. कृषि में निवेश को हतोत्साहित करने के लिए ब्रिटिश द्वारा स्थायी बंदोबस्त (Permanent Settlement) प्रणाली की शुरुआत की गई थी
2. अंग्रेजों को उम्मीद थी कि स्थायी बंदोबस्त प्रणाली किसानों के एक वर्ग को उभारने में मदद करेगी जो कंपनी कल्याण के प्रति वफादार होंगे।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.19) Solution (b)

- तब, लॉर्ड कार्नवालिस ने तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री, विलियम पिट के निर्देशों के तहत, 1786 में स्थायी बंदोबस्त प्रणाली का प्रस्ताव रखा। 1793 में स्थायी बंदोबस्त अधिनियम 1793 द्वारा लागू हुआ।
- जमींदारों को भूमि के मालिकों के रूप में मान्यता दी गई थी। उन्हें उनके अधीन भूमि के उत्तराधिकार के वंशानुगत अधिकार दिए गए थे।
- जमींदार अपनी इच्छानुसार जमीन बेच या हस्तांतरित कर सकते थे।
- जमींदारों का मालिकाना हक तब तक बना रहेगा, जब तक वे सरकार को उक्त तिथि को निर्धारित राजस्व का भुगतान करता है। अगर वे भुगतान करने में विफल रहे, तो उनके अधिकार समाप्त हो जाएंगे और भूमि को नीलाम कर दिया जाएगा।
- जमीदारों द्वारा भुगतान की जाने वाली राशि तय की गई थी। यह सहमति थी कि भविष्य में यह राशि (स्थायी) नहीं बढ़ेगी।
- सरकार के लिए निर्धारित राशि 10/11 वाँ हिस्सा तथा 1/10 वां हिस्सा ज़मींदार के लिए था। यह राजस्व दर इंग्लैंड में प्रचलित दरों से अधिक थी।
- जमींदार को भी किरायेदार को एक पट्टा देना पड़ता था, जो उसे दी गई जमीन के क्षेत्र का वर्णन करता था तथा उसे ज़मीदार को किराया देना पड़ता था।

कथन 1	**कथन 2**
असत्य	**सत्य**
स्थायी बंदोबस्त शुरू करने में, ब्रिटिश अधिकारियों ने बंगाल की विजय के बाद से उन समस्याओं को हल करने की उम्मीद की, जो वे सामना कर रहे थे। 1770 के दशक तक, बंगाल में ग्रामीण अर्थव्यवस्था, आवर्ती अकाल और कृषि उत्पादन में गिरावट के साथ संकट में थी। अधिकारियों को लगा कि कृषि में निवेश को प्रोत्साहित करके कृषि, व्यापार और राज्य के राजस्व	अधिकारियों को उम्मीद थी कि इससे किसानों और अमीर ज़मींदारों के एक वर्ग का उदय होगा, जिनके पास कृषि को बेहतर बनाने के लिए पूंजी और उद्यम होगा। अंग्रेजों द्वारा पोषित, यह वर्ग कंपनी के प्रति भी वफादार होगा।

संसाधनों को विकसित किया जा सकता है। यह संपत्ति के अधिकारों को सुरक्षित करने तथा राजस्व मांग की दरों को स्थायी रूप से तय करके किया जा सकता है।	

Q.20) भारत में लॉर्ड डलहौजी का निम्नलिखित में से किसमें योगदान था?

1. रेलवे
2. आधुनिक डाक प्रणाली
3. भारतीय सांख्यिकीय सर्वेक्षण
4. टेलीग्राफ

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1, 3 और 4
b) केवल 2, 3 और 4
c) केवल 1, 2 और 4
d) 1, 2, 3 और 4

Q.20) Solution (c)

- लॉर्ड डलहौज़ी के आगमन ने ब्रिटिश भारत के इतिहास में एक नए अध्याय का उद्घाटन किया। उन्होंने 1848-1856 तक भारत के गवर्नर-जनरल के रूप में कार्य किया।
- उन्होंने कई सुधारों की शुरुआत की, जिन्होंने भारत के आधुनिकीकरण का मार्ग प्रशस्त किया तथा "आधुनिक भारत का निर्माता" शीर्षक भी अर्जित किया।
- **टेलीग्राफ:** कलकत्ता को पेशावर, बॉम्बे और मद्रास से जोड़ने के लिए 1852 में O'Shaughnessy के अधीक्षण के तहत 4000 मील की लाइनें बिछाई गईं।
- **रेलवे:**
    - उन्होंने "गारंटी प्रणाली" आरंभ की, जिसके द्वारा रेलवे कंपनियों को उनके निवेश पर न्यूनतम पांच प्रतिशत ब्याज की गारंटी दी गई थी
    - सरकार ने रेलवे पर मुख्य रूप से रक्षा, वाणिज्यिक और प्रशासनिक कारणों से अपना अधिकार बरकरार रखा
    - पहली रेलवे लाइन - बॉम्बे से ठाणे 1853 में, दूसरी - कलकत्ता से रानीगंज के कोयला क्षेत्र तक 1854 में, तीसरी - मद्रास से अरकोणम तक 1856 में।
- **आधुनिक डाक प्रणाली:** 1854 में डाक टिकटों की शुरूआत के साथ आधुनिक डाक प्रणाली की नींव रखी गई। 1837 में पोस्टल सिस्टम शुरू हुआ था।

- अन्य योगदानों में शामिल हैं, गंगा नहर खुली घोषित (1854) करना; प्रत्येक प्रांत में अलग-अलग लोक निर्माण विभाग की स्थापना; विधवा पुनर्विवाह अधिनियम (1856) पारित करना; 1854 के "शिक्षा संबंधी वुड्स डिस्पैच" तथा एंग्लो-वर्नाक्युलर स्कूलों और सरकारी कॉलेजों को खोलना।
- 1871 में, भारत की पहली जनगणना **लॉर्ड मेयो** कार्यकाल में की गई थी। उन्होंने **भारतीय सांख्यिकी सर्वेक्षण** का आयोजन किया। उन्होंने राजकीय रेलवे प्रणाली की शुरुआत की। 1870 के मेयो संकल्प ने वित्त के विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया आरंभ की।

Q.21) **भारत में शैक्षणिक संस्थानों के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:**

1. कलकत्ता मदरसा - लॉर्ड वेलेजली
2. संस्कृत कॉलेज - जोनाथन डंकन
3. फोर्ट विलियम कॉलेज - वॉरेन हेस्टिंग्स

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 3
d) केवल 1 और 3

Q.21) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
कलकत्ता मदरसा की स्थापना वारेन हेस्टिंग्स ने 1781 में मुस्लिम कानून और संबंधित विषयों के अध्ययन के लिए की थी।	संस्कृत कॉलेज की स्थापना 1791 में बनारस रेजिडेंट जोनाथन डंकन द्वारा हिंदू कानून और दर्शन के अध्ययन के लिए की गई थी।	फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना 1800 में वेलेज़ली द्वारा कंपनी के सिविल सेवकों के प्रशिक्षण में भारतीयों की भाषाओं और रीति-रिवाजों (1802 में बंद) को जानने के लिए स्थापित किया गया था।

Q.22) **नर्केल्बेरिया विद्रोह (Narkelberia Uprising) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. मीर निसार अली ने मुख्य रूप से बंगाल में हिंदू जमींदारों के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया।
2. विद्रोह बाद में पागल पंथी आंदोलन में विलीन हो गया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.22) Solution (a)

कथन 1	**कथन 2**
सत्य	**असत्य**
सैयद मीर निसार अली, या टीटू मीर एक किसान नेता थे, जिन्होंने बंगाल में जमींदारों और ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारियों के विरुद्ध नर्केल्बेरिया विद्रोह (1782-1831) का नेतृत्व किया था। उन्होंने नर्केल्बेरिया में बांस के किले का निर्माण किया तथा ब्रिटिश प्रशासन से स्वतंत्रता की घोषणा की। उन्होंने उन हिंदू जमींदारों के विरुद्ध भी लड़ाई लड़ी, जिन्होंने फरैज़ियों पर दाढ़ी-कर लगाया था।	टीटू मीर ने पश्चिम बंगाल में मुस्लिम रैयतों को प्रेरित किया। विद्रोह बाद में वहाबी आंदोलन में विलीन हो गया था।

Q.23) भारत में जाति उन्मूलन के लिए की गई पहलों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. गांधीजी ने अखिल भारतीय हरिजन सेवक संघ की स्थापना की।
2. डॉ. अंबेडकर ने ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लासेस एसोसिएशन की स्थापना की थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.23) Solution (a)

कथन 1	**कथन 2**

सत्य	असत्य
गांधीजी ने अस्पृश्यता को मूल से और सभी प्रकार से उन्मूलन के उद्देश्य को सदैव ध्यान में रखा था। उनके विचार मानवतावाद और तर्क के आधार पर आधारित थे। उन्होंने तर्क दिया कि शास्त्रों ने अस्पृश्यता को मंजूरी नहीं दी है तथा यदि दिया है, तो भी उन्हें नजरअंदाज किया जाना चाहिए क्योंकि सत्य को एक पुस्तक के कवर के भीतर सीमित नहीं किया जा सकता है। 1932 में उन्होंने अखिल भारतीय हरिजन सेवक संघ की स्थापना की।	बाबा साहब अम्बेडकर, जिन्होंने बचपन में जातिवादी भेदभाव के वीभत्स रूप का अनुभव किया था, ने जीवन भर उच्च जाति के अत्याचार के विरुद्ध लड़ाई लड़ी। उन्होंने ऑल इंडिया शेड्यूल्ड कास्ट्स फेडरेशन का आयोजन किया, जबकि दलित वर्गों के कई अन्य नेताओं ने ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लास एसोसिएशन की स्थापना की। ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लास एसोसिएशन का गठन 1926 में नागपुर में किया गया था जिसके एम. सी. राजा प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष थे।

Q.24) **सर सैयद अहमद खान के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें जिन्होंने अलीगढ़ आंदोलन आरंभ किया था:**

1. वे ब्रिटिश सरकार की न्यायिक सेवा के सदस्य थे।
2. उन्होंने कुरान पर पश्चिमी शिक्षा को वरीयता दी।
3. उनके द्वारा मुसलमानों की राजनीतिक गतिविधियों का समर्थन किया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही नहीं है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.24) Solution (c)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**असत्य**	**असत्य**
एक सम्मानित मुस्लिम परिवार में जन्म लिए सैयद अहमद खान (1817-1898) ब्रिटिश सरकार की	वह पश्चिमी वैज्ञानिक शिक्षा का कुरान की शिक्षाओं के साथ सामंजस्य बनाना चाहते थे,	राजनीति में सक्रिय भागीदारी के संबंध में, उन्होंने महसूस किया कि यह मुस्लिम जनता के प्रति सरकार

न्यायिक सेवा के एक निष्ठावान सदस्य थे। 1876 में सेवानिवृत्ति के बाद, वह 1878 में इंपीरियल लेजिस्लेटिव कौंसिल के सदस्य बने।	जिनकी व्याख्या समकालीन तर्कवाद और विज्ञान के प्रकाश में की जानी थी, हालांकि उन्होंने कुरान को सर्वोच्च सत्ता भी माना था।	की शत्रुता को आमंत्रित करेगी। इसलिए, उन्होंने मुसलमानों द्वारा राजनीतिक गतिविधियों का विरोध किया।

Q.25) भारत में पोर्टफोलियो प्रणाली किसके द्वारा आरंभ किया गया था

a) जॉन लॉरेंस
b) लॉर्ड हार्डिंग प्रथम
c) लॉर्ड लिटन
d) लॉर्ड कैनिंग

Q.25) Solution (d)

- लॉर्ड कैनिंग, जो उस समय गवर्नर-जनरल (1856-57) और वायसराय (1858-62) थे, ने पोर्टफोलियो प्रणाली की शुरुआत की। इस प्रणाली में, प्रत्येक सदस्य को एक विशेष विभाग का एक पोर्टफोलियो सौंपा गया था।
- 1861 के भारतीय परिषद अधिनियम के तहत, वायसराय को परिषद में कार्य संचालन को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए नियम बनाने और आदेश देने का अधिकार दिया गया था, जिसने 1859 में लॉर्ड कैनिंग द्वारा प्रस्तुत 'पोर्टफोलियो प्रणाली' को मान्यता दी थी।
- पोर्टफोलियो प्रणाली के अनुसार वायसराय की परिषद के एक सदस्य को सरकार के एक या अधिक विभागों का प्रभारी बनाया गया था तथा वह अपने विभाग के मामलों पर परिषद की ओर से अंतिम आदेश जारी करने के लिए अधिकृत था।

Q.26) निम्नलिखित में से कौन सी विशेषताएँ, भारत में सुशासन के लिए अधिनियम, 1858 से संबंधित हैं?

1. भारत को एक राज्य सचिव के माध्यम से और राज्य सचिव की अध्यक्षता में कार्यकारी परिषद के द्वारा क्राउन के नाम से शासित किया जाना था।
2. इसने बोर्ड ऑफ कंट्रोल और कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स को समाप्त करके दोहरी सरकार की प्रणाली को समाप्त कर दिया।
3. भारत के गवर्नर-जनरल, पदेन (ex-officio) राज्य सचिव बने।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 3

Q.26) Solution (b)

- भारत सरकार अधिनियम,1858 के प्रावधान।
  - यह प्रावधान प्रदान करता है कि भारत को 'महामहिम और उनके नाम पर' उसके द्वारा शासित किया जाना था।
  - इसने भारत के गवर्नर-जनरल के पदनाम को भारत के वायसराय में परिवर्तित कर दिया। वे (वायसराय) भारत में ब्रिटिश क्राउन के प्रत्यक्ष प्रतिनिधि थे। इस प्रकार लॉर्ड कैनिंग भारत के पहले वाइसराय बन गए। एक कार्यकारी परिषद द्वारा वायसराय की सहायता की जानी थी।
  - इसने एक नया कार्यालय, भारत के राज्य सचिव, बनाया जो पूर्ण अधिकार के साथ निहित तथा जिसका भारतीय प्रशासन पर नियंत्रण था।
  - इसने भारत के राज्य सचिव की सहायता के लिए भारत की 15 सदस्यीय परिषद की स्थापना की। परिषद एक सलाहकारी निकाय था। राज्य सचिव को परिषद का अध्यक्ष बनाया गया था।
  - इसने एक कॉरपोरेट निकाय के रूप में स्टेट-इन-काउंसिल के सचिव का गठन किया, जो भारत में और इंग्लैंड में मुकदमा चलाने में सक्षम था।
  - वह ब्रिटेन में ब्रिटिश सरकार और भारतीय प्रशासन के बीच संचार का माध्यम भी था। वह अपनी परिषद की सलाह के बिना भारत में गुप्त प्रेषण भेजने की शक्ति भी रखता था।

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
भारत को 15 सदस्यीय भारतीय परिषद द्वारा सहायता प्राप्त राज्य सचिव के माध्यम से क्राउन के नाम से शासित किया जाना था। भारत में वायसराय की अध्यक्षता में कार्यकारी परिषद थी।	अधिनियम ने बोर्ड ऑफ़ कंट्रोल और कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स को समाप्त करके दोहरी सरकार की प्रणाली को समाप्त कर दिया।	राज्य सचिव ब्रिटिश कैबिनेट का सदस्य था तथा अंततः ब्रिटिश संसद के प्रति उत्तरदायी था।

Q.27) निम्नलिखित में से किस अधिनियम ने पहली बार गवर्नर-जनरल की परिषद के विधायी और कार्यकारी कार्यों को अलग किया?

a) चार्टर एक्ट, 1813
b) चार्टर एक्ट, 1833
c) चार्टर एक्ट, 1853
d) भारतीय परिषद अधिनियम, 1861

Q.27) Solution (c)

1853 के चार्टर अधिनियम की विशेषताएं:

- इस **अधिनियम ने पहली बार गवर्नर-जनरल की परिषद के विधायी और कार्यकारी कार्यों को अलग किया।** इसने विधान परिषद के छह नए सदस्यों को परिषद में शामिल करने का प्रावधान किया।
- दूसरे शब्दों में, इसने एक गवर्नर-जनरल की अलग विधान परिषद की स्थापना की, जिसे भारतीय (केंद्रीय) विधान परिषद के रूप में जाना जाता है। परिषद के इस विधायी विंग ने ब्रिटिश संसद के समान प्रक्रियाओं को अपनाते हुए एक लघु-संसद के रूप में कार्य किया। इस प्रकार, कानून बनाना, पहली बार सरकार के एक विशेष कार्य के रूप में माना गया था, जिसको विशेष मशीनरी और विशेष प्रक्रिया की आवश्यकता थी।
- इसने सिविल सेवकों के चयन और भर्ती की एक खुली प्रतियोगिता प्रणाली शुरू की। इस प्रकार नागरिक सेवा को भारतीयों के लिए भी खोल दिया गया। तदनुसार, मैकाले समिति (भारतीय सिविल सेवा समिति) 1854 में नियुक्त की गई थी।
- इसने कंपनी के नियम को विस्तृत किया तथा इसे ब्रिटिश क्राउन के विश्वास पर भारतीय क्षेत्रों पर अधिकार को बनाए रखने की अनुमति दी।
- इसने पहली बार भारतीय (केंद्रीय) विधान परिषद में स्थानीय प्रतिनिधित्व दिया।

Q.28) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

	आंदोलन	**नेतृत्वकर्ता**
1.	वायकोम सत्याग्रह	के.पी. केशव

2.	अरुविप्पुरम आंदोलन	श्री नारायण गुरु
3.	जस्टिस आंदोलन	ई. वी. रामास्वामी नायकर

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.28) Solution (a)

युग्म 1	युग्म 2	युग्म 3
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
1924 में, वायकोम सत्याग्रह का नेतृत्व के.पी. केशव द्वारा केरल में आरंभ किया गया था, जो अछूतों के लिए हिंदू मंदिरों और सड़कों को खोलने की मांग कर रहा था। के. केलप्पन ने प्रसिद्ध वायकोम सत्याग्रह में भी प्रमुख भूमिका निभाई थी तथा 1932 में गुरुवायुर सत्याग्रह के नेता थे।	1888 के शिवरात्रि के दिन श्री नारायण गुरु द्वारा अराविपुरम आंदोलन आरंभ किया गया था। उस दिन, श्री नारायण गुरु ने एझवा समुदाय पर पारंपरिक रूप से लगाए गए धार्मिक प्रतिबंधों की अवहेलना की, तथा अराविपुरम में शिव की एक मूर्ति प्रतिष्ठित की। इसने प्रसिद्ध कवि कुमारन आसन को नारायण गुरु के शिष्य के रूप में आकर्षित किया।	मद्रास प्रेसीडेंसी में जस्टिस आंदोलन की शुरुआत सी.एन. मुदलियार, टी.एम. नायर और पी. त्यागराज, विधायिका में गैर-ब्राह्मणों के लिए नौकरियों और प्रतिनिधित्व को सुरक्षित करने के लिए किया था।

Q.29) थियोसोफिकल सोसायटी के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. उन्होंने आत्मा के स्थानांतरगमन (transmigration of the soul) के सिद्धांत को मान्यता दी।
2. इसकी स्थापना मैडम ब्लावात्स्की और कर्नल एच.एस. ओलकोट ने 1875 में न्यूयॉर्क में की थी।
3. इसने पुणे के पास अडयार में सोसायटी का मुख्यालय स्थापित किया।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.29) Solution (a)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
थियोसोफिस्टों ने हिंदू धर्म, पारसी धर्म और बौद्ध धर्म के प्राचीन धर्मों के पुनरुद्धार और सुदृढ़ता की वकालत की। उन्होंने आत्मा के स्थानांतरगमन (transmigration) के सिद्धांत को मान्यता दी तथा उन्होंने मनुष्य के सार्वभौमिक भाईचारे का भी प्रचार किया।	थियोसोफिकल सोसाइटी की स्थापना 1875 में मैडम ब्लावात्स्की और कर्नल ओलकोट ने न्यूयॉर्क में की थी। 1888 में श्रीमती एनी बेसेंट इंग्लैंड में सोसाइटी में शामिल हुईं। उनकी सदस्यता समाज के लिए सबसे बड़ी संपत्ति साबित हुई।	जनवरी 1879 में संस्थापक भारत पहुंचे तथा मद्रास के पास अडयार में सोसायटी का मुख्यालय स्थापित किया।

Q.30) ईश्वर चंद्र विद्यासागर के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. एक प्रधानाध्यापक के रूप में, उन्होंने पश्चिमी विचार के साथ-साथ गैर-ब्राह्मण छात्रों के लिए संस्कृत कॉलेज के द्वार खोले।
2. उन्होंने 19 वीं शताब्दी के मध्य में विधवा पुनर्विवाह संघ की स्थापना की।
3. उन्होंने महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा को भी बढ़ावा दिया तथा बहुविवाह के विरुद्ध अभियान चलाया।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.30) Solution (c)

ईश्वर चंद्र विद्यासागर (1820 - 91)

- उनका जन्म ईश्वर चंद्र बंद्योपाध्याय के रूप में हुआ था।
- वह एक भारतीय बंगाली विद्वान तथा बंगाल पुनर्जागरण के प्रमुख व्यक्तित्वों में से एक थे।
- वे एक दार्शनिक, अकादमिक शिक्षक, लेखक, अनुवादक, मुद्रक, प्रकाशक, उद्यमी, सुधारक और परोपकारी थे।
- वर्ष 1839 में, विद्यासागर ने सफलतापूर्वक अपनी कानून परीक्षा उत्तीर्ण की।
- 1841 में, इक्कीस वर्ष की आयु में, ईश्वर चंद्र संस्कृत विभाग के प्रमुख के रूप में फोर्ट विलियम कॉलेज में शामिल हुए।
- उन्होंने विधवा पुनर्विवाह की प्रथा को प्रोत्साहित किया तथा 1856 के विधवा पुनर्विवाह अधिनियम XV के लिए दबाव बनाया।
- उन्होंने बंगाली वर्णमाला का पुनर्निर्माण किया तथा बारह स्वरों और चालीस व्यंजनों की वर्णमाला में बंगाली टाइपोग्राफी में सुधार किया।
- उन्हें संस्कृत अध्ययन और दर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण 'विद्यासागर' अर्थात संस्कृत महाविद्यालय, कलकत्ता (जहाँ से उन्होंने स्नातक किया था) का ज्ञान प्राप्त किया।
- उन्होंने बाहुबिबाहा (**Bahubibaha**) और बिधाबा बिदहा (**Bidhaba Bidaha**) जैसी कई किताबें लिखीं। उन्होंने बंगाली अखबार सोम प्रकाश भी आरंभ किया।

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
ईश्वर चंद्र विद्यासागर यद्यपि एक संस्कृत विद्वान थे, फिर भी उनमें पूर्वी और पश्चिमी विचारों का एक अच्छा मिश्रण था। संस्कृत कॉलेज के प्रधानाचार्य के रूप में, उन्होंने पश्चिमी विचार के साथ-साथ गैर-ब्राह्मण छात्रों के लिए संस्कृत कॉलेज के द्वार खोले।	19 वीं शताब्दी में विधवा पुनर्विवाह संघ के संस्थापक विष्णु शास्त्री पंडित थे। संघ का मुख्य उद्देश्य विधवाओं को पुनर्विवाह करने के लिए प्रोत्साहित करना था। परिणामस्वरूप, वह विधवा विवाह आंदोलन में बहुत सक्रिय थे।	विद्यासागर ने भी महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा को बढ़ावा दिया। बेथ्यून स्कूल के सचिव के रूप में, उन्होंने महिलाओं की शिक्षा के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने बाल विवाह और बहुविवाह के विरुद्ध भी संघर्ष किया।

Q.31) 1857 के विद्रोह की विफलता के निम्न में से कौन से कारण हैं?

1. सिपाहियों के मध्य योजना और समन्वय का अभाव।
2. ब्रिटिश सेना संगठन में श्रेष्ठ थी।
3. समाज के सभी वर्गों ने विद्रोह में भाग नहीं लिया।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.31) Solution (d)

1857 के विद्रोह की विफलता के कारण:

- विद्रोहियों के बीच कोई योजना नहीं थी। विभिन्न समूहों ने इसे अलग-अलग दिशाओं में खींच लिया। प्रमुख विद्रोही नेता - नाना साहेब, तात्यां टोपे, कुंवर सिंह, रानी लक्ष्मीबाई का अपने ब्रिटिश विरोधियों से नेतृत्व में कोई मुकाबला नहीं था।
- 1857 के विद्रोह में कमजोर नेतृत्व था।
- भारतीय विद्रोहियों के पास सीमित सैन्य आपूर्ति थी, उनके पास ब्रिटिश सेना जैसे परिष्कृत हथियारों और गोला-बारूद का अभाव था।
- अधिकांश रियासतों और बड़े जमींदारों ने 1857 के विद्रोह का समर्थन नहीं किया तथा सक्रिय रूप से अंग्रेजों का पक्ष लिया। उनके क्षेत्र किसी भी उपनिवेशवाद विरोधी विद्रोह से मुक्त रहे। शिक्षित मध्यम और उच्च वर्ग ज्यादातर विद्रोहियों के आलोचक थे।
- 1857 का विद्रोह मध्य भारत और उत्तर-पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में केंद्रित रहा। यह दक्षिण भारत और अधिकांश पूर्वी और पश्चिमी भारत में नहीं फैला। मद्रास, बॉम्बे, बंगाल और पश्चिमी पंजाब विद्रोह प्रभाव से मुक्त रहे।

Q.32) कृषक आंदोलनों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. दिगंबर और बिष्णु विश्वास पाबना कृषि लीग से संबद्ध थे।
2. दक्कन के दंगों के परिणामस्वरूप सामाजिक बहिष्कार आंदोलन हुआ।
3. तेभागा आंदोलन फ्लाऊड आयोग की सिफारिशों के विरुद्ध था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही नहीं है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.32) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
नील विद्रोह-किसानों का गुस्सा 1859 में फूटा, जब नादिया जिले के दिगंबर विश्वास और बिष्णु बिस्वास के नेतृत्व में, उन्होंने प्रतिरोध के कारण नील नहीं उगाने का फैसला किया तथा प्लांटर्स तथा पुलिस और न्यायालय द्वारा समर्थित उनके लठैतों के शारीरिक दबाव का विरोध किया।	पश्चिमी भारत के दक्कन क्षेत्र के रैयतों को रैयतवाड़ी प्रणाली के तहत भारी कराधान का सामना करना पड़ा। 1874 में, साहूकारों और किसानों के बीच बढ़ते तनाव के परिणामस्वरूप रैयतों द्वारा "बाहरी" साहूकारों के विरुद्ध सामाजिक बहिष्कार आंदोलन किया गया।	तेभागा आंदोलन-सितंबर 1946 में, बंगाल प्रांतीय किसान सभा ने बड़े पैमाने पर संघर्ष के माध्यम से, तेभागा संबंधी फ्लॉऊड आयोग की सिफारिशों को लागू करने का आह्वान किया - आधे हिस्से के बदले दो-तिहाई हिस्सा - बारगादारों को, जिन्हें बंटाईदार या अधियार के रूप में भी जाना जाता है।

Q.33) राजा राममोहन राय के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

a) उन्हें अकबर द्वितीय द्वारा 'राजा' की उपाधि से सम्मानित किया गया था।
b) उन्हें पूर्व की पारंपरिक दार्शनिक प्रणाली के लिए बहुत प्यार और सम्मान था।
c) वे देश में आधुनिक पूंजीवाद और उद्योग की शुरूआत भी चाहते थे।
d) उन्होंने कलकत्ता में हिंदू कॉलेज की स्थापना की।

Q.33) Solution (d)

- राजा राम मोहन रॉय (1772 - 1833) को 'आधुनिक भारत का पिता' या 'बंगाल पुनर्जागरण के जनक' के रूप में जाना जाता है।
- वह सती, बहुविवाह, बाल विवाह, मूर्तिपूजा, जाति व्यवस्था के विरोधी थे तथा विधवा पुनर्विवाह का प्रचार करते थे एवं तर्कवाद और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर जोर देते थे।

- उन्होंने अंग्रेजी में पश्चिमी वैज्ञानिक शिक्षा में भारतीयों को शिक्षित करने के लिए कई स्कूल आरंभ किए।
- वह हिंदू धर्म के कथित बहुवाद के खिलाफ थे। उन्होंने धर्मशास्त्रों में दिए गए एकेश्वरवाद की वकालत की। उन्होंने ईसाई धर्म और इस्लाम का भी अध्ययन किया।
- उन्होंने वेदों और पाँच उपनिषदों का बंगाली में अनुवाद किया। उन्होंने एक बंगाली साप्ताहिक समाचार पत्र संबाद कौमुदी की शुरुआत की, जिसने नियमित रूप से सती को बर्बर और हिंदू धर्म के सिद्धांतों के खिलाफ बताया।
- 1828 में, उन्होंने ब्रह्म सभा की स्थापना की, जिसे बाद में ब्रह्म समाज का नाम दिया गया। उन्होंने आत्मीय सभा की भी स्थापना की थी। ब्रह्मो समाज का मुख्य उद्देश्य सनातन (eternal) भगवान की पूजा था। यह पुरोहिती, अनुष्ठान और बलिदान के खिलाफ था। यह प्रार्थना, ध्यान और शास्त्रों के पढ़ने पर केंद्रित था।
- उन्होंने मुगल राजा अकबर शाह द्वितीय (बहादुर शाह के पिता) के दूत के रूप में इंग्लैंड का दौरा किया जहां उनकी एक बीमारी से मृत्यु हो गई। उन्हें अकबर II द्वारा 'राजा' की उपाधि से सम्मानित किया गया था।
- उनके प्रयासों से 1829 में भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड विलियम बेंटिक ने सती प्रथा को समाप्त कर दिया।
- उनके पास पूर्व की पारंपरिक दार्शनिक प्रणाली के लिए बहुत प्यार और सम्मान था; लेकिन, साथ ही, उनका मानना था कि आधुनिक संस्कृति अकेले भारतीय समाज को पुनर्जीवित करने में मदद करेगी। विशेष रूप से, वह चाहते थे कि उनके देशवासी तर्कसंगत और वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सभी पुरुषों और महिलाओं की मानवीय गरिमा और सामाजिक समानता के सिद्धांत को स्वीकार करें।
- वह देश में आधुनिक पूंजीवाद और उद्योग की शुरूआत भी चाहते थे।
- राममोहन राय ने अपने देशवासियों को आधुनिक शिक्षा के लाभों का प्रसार करने के लिए बहुत कुछ किया। उन्होंने 1817 में हिंदू कॉलेज को खोजने के लिए डेविड हेयर के प्रयासों का समर्थन किया।

Q.34) निम्नलिखित में से किस संगठन का नाम बदलकर 'दक्षिण भारत का ब्रह्म समाज' रखा गया था?

a) मानव धर्म सभा
b) वेद समाज
c) दक्कन एजुकेशन सोसायटी
d) साधरण ब्रह्म समाज

Q.34) Solution (b)

- वेद समाज की स्थापना केशब चंद्र सेन और के. श्रीधरालु नायडू ने की थी, जब 1864 में मद्रास आए थे।

- के.श्रीधरालु नायडू ने बाद में ब्रह्म समाज आंदोलन का अध्ययन करने के लिए कलकत्ता का दौरा किया तथा जब वे वापस लौटे, तो उन्होंने 1871 में वेद समाज का नाम बदलकर 'दक्षिणी भारत का ब्रह्म समाज' रख दिया।

Q.35) 1857 से पहले निम्न में से कौन सा विद्रोह हुआ था?

1. कोल विद्रोह
2. रम्पा विद्रोह
3. संथाल विद्रोह

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.35) Solution (b)

- कोल विद्रोह, जिसे ब्रिटिश भारतीय अभिलेखों कोल विप्लव के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि यह 1829-1839 के दौरान छोटा नागपुर के स्वदेशी कोल लोगों का विद्रोह था, जो कि क्षेत्र में ब्रिटिश शक्तियों द्वारा आरंभ भूमि कार्यकाल तथा प्रशासन की प्रणालियों द्वारा किए गए अनुचित व्यवहार की प्रतिक्रिया थी।
- संथाल हूल (विद्रोह) वर्तमान झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के क्षेत्रों में अंग्रेजों और जमींदारी व्यवस्था के विरुद्ध 1855 से 1856 तक हुआ, जिसे अंग्रेजों ने कुचल दिया था। पहला विद्रोह 1854 में लछिमपुर में सासन के बीर सिंह के नेतृत्व में हुआ था। दूसरा विद्रोह जून 1855 में शुरू हुआ, जब दो भाइयों सिद्धू और कान्हू ने 10000 संथालों को एकत्रित किया और विद्रोह की घोषणा की।
- 1879 का रंपा विद्रोह (इसे 1922-24 के रंपा विद्रोह से अलग करने के लिए प्रथम रंपा विद्रोह के रूप में भी जाना जाता है) मद्रास प्रेसीडेंसी में ब्रिटिश सरकार के खिलाफ विजागापट्टम जिले के विजागापट्टम पहाड़ी क्षेत्र के रम्पा क्षेत्र में पहाड़ी जनजातियों द्वारा विद्रोह था।
- 1922 का रम्पा विद्रोह, जिसे मान्यम विद्रोह (Manyam Rebellion) के रूप में भी जाना जाता है, एक आदिवासी विद्रोह था, जिसका नेतृत्व ब्रिटिश भारत की मद्रास प्रेसिडेंसी की गोदावरी क्षेत्र में अल्लूरी सीताराम राजू ने किया था। यह अगस्त 1922 में शुरू हुआ तथा मई 1924 में राजू को पकड़ने और मारने तक चला।

Q.36) विधवाओं के लिए भारत का प्रथम स्कूल किसके द्वारा स्थापित किया गया था

a) सावित्रीभाई फुले
b) रमाबाई रानाडे
c) पार्वतीबाई अठावले
d) महर्षि कर्वे

Q.36) Solution (d)

- धोंडो केशव कर्वे एक प्रसिद्ध भारतीय समाज सुधारक थे, जिन्होंने अपना जीवन महिलाओं के कल्याण के क्षेत्र में समर्पित कर दिया। इसके कारण, उन्होंने महान संत 'महर्षि' का सम्मान अर्जित किया तथा उन्हें महर्षि कर्वे के नाम से जाना जाने लगा।
- 1896 में, उन्होंने विधवाओं के लिए पहला स्कूल स्थापित किया। हिंदू विधवाओं का गृह संघ एक आश्रय और विधवाओं के लिए एक विद्यालय था। उनकी 20 वर्षीय विधवा भाभी पार्वतीबाई अठावले स्कूल की पहली छात्रा थीं।
- स्कूल पुणे शहर के बाहर हिंगेन के सुदूर गांव में स्थित था। दूरस्थ स्थान को इसलिए चुना गया क्योंकि पुणे में रूढ़िवादी ब्राह्मण समुदाय ने विधवा पुनर्विवाह और शिक्षा का समर्थन करने के लिए उन्हें बहिष्कृत कर दिया था। इसके अलावा, उन्होंने उस समय एक विधवा से शादी करने का साहस भी किया था।
- श्रीमती नाथीबाई दामोदर महिला विश्वविद्यालय, भारत में पहला महिला विश्वविद्यालय, 2 छात्रों के नामांकन के साथ 2 जुलाई, 1916 को शुरू हुआ। इसे डॉ. धोंडो केशव कर्वे द्वारा स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य अधिक महिलाओं को शिक्षित करना था।

Q.37) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

	1857 के विद्रोह का स्थान	**नेतृत्वकर्ता**
1.	कानपूर	कुंवर सिंह
2.	लखनऊ	बेगम हज़रत महल
3.	बिहार	खान बहादुर खान
4.	बागपत	शाह मल

ऊपर दिए गए जोड़े में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 2 और 4
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 4
d) केवल 1, 2 और 3

Q.37) Solution (a)

- कानपुर में, मुख्य नेता नाना साहेब थे, जो अंतिम पेशवा, बाजी राव द्वितीय के दत्तक पुत्र थे। उन्हें परिवार की उपाधि से वंचित कर दिया गया तथा पूना से हटा दिया गया था, जो कानपुर के पास रह रहे थे।
- बेगम हजरत महल ने लखनऊ में नेतृत्व किया, जहां 4 जून, 1857 को विद्रोह हुआ और अपदस्थ नवाब के पक्ष में लोकप्रिय सहानुभूति थी।
- बिहार में विद्रोह का नेतृत्व जगदीशपुर के जमींदार कुंवर सिंह ने किया।
- परगना बड़ौत (बागपत, उत्तर प्रदेश) के एक स्थानीय ग्रामीण, शाह मल का नाम सबसे उल्लेखनीय है। उन्होंने 84 गाँवों के प्रधानों और किसानों को (चौरासी देस के रूप में संदर्भित) को एकत्रित किया, रात को गाँव से गाँव तक पैदल मार्च करते हुए लोगों से ब्रिटिश आधिपत्य के खिलाफ विद्रोह करने का आग्रह किया।

Q.38) महादेव गोविंद रानाडे निम्नलिखित में से किस संगठन की स्थापना में महत्वपूर्ण थे?

1. पूना सर्वजननिक सभा
2. भारतीय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन (Indian National Social Conference)
3. भारतीय राष्ट्रीय संघ (Indian National Association)

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 2 और 3
d) 1,2 और 3

Q.38) Solution (b)

- एक प्रसिद्ध वकील और बॉम्बे प्रेसीडेंसी के विद्वान महादेव गोविंद रानाडे भी एक उत्सुक समाज सुधारक थे। उन्होंने 1870 में पूना में पूना सार्वजनिक सभा के गठन में एक प्रमुख भूमिका निभाई।

- भारतीय (राष्ट्रीय) सामाजिक सम्मेलन की स्थापना एम.जी. रानाडे और रघुनाथ राव ने की थी। यह वस्तुतः भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का सामाजिक सुधार प्रकोष्ठ था। इसका पहला सत्र दिसंबर 1887 में मद्रास में आयोजित किया गया था।
- यह सम्मेलन समान स्थान पर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक सहायक सम्मेलन के रूप में प्रतिवर्ष मिलता था, तथा सामाजिक सुधार पर ध्यान केंद्रित करता था। सम्मेलन ने अंतर्जातीय विवाह की वकालत की तथा कुलीनवाद और बहुविवाह का विरोध किया। इसने बाल विवाह पर रोक लगाने के लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए प्रसिद्ध "प्रतिज्ञा आंदोलन" (Pledge Movement) आरंभ किया।
- इंडियन नेशनल एसोसिएशन जिसे इंडियन एसोसिएशन के नाम से भी जाना जाता है, 1876 में सुरेन्द्रनाथ बनर्जी और आनंद मोहन बोस द्वारा ब्रिटिश भारत में स्थापित पहला राष्ट्रवादी संगठन था।

Q.39) ब्रिटिश शासन के दौरान निम्नलिखित शिक्षा आयोगों के गठन पर विचार करें:

1. हंटर शिक्षा आयोग
2. रैले आयोग
3. सैडलर विश्वविद्यालय आयोग

उपरोक्त में से किसने प्राथमिक या माध्यमिक शिक्षा के संबंध में सिफारिशें दीं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.39) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
1882 में, सरकार ने डब्ल्यू.डब्ल्यू. हंटर की अध्यक्षता में एक आयोग की नियुक्ति की जिसका कार्य 1854 से देश में शिक्षा की प्रगति की समीक्षा करना था। हंटर आयोग ने	1902 में, रैले आयोग की स्थापना भारत में विश्वविद्यालयों की स्थितियों और संभावनाओं को जानने तथा उनके संविधान और कार्य में सुधार के उपायों के सुझाव के लिए की गई थी। आयोग को	कलकत्ता विश्वविद्यालय की समस्याओं पर अध्ययन और रिपोर्ट करने के लिए सैडलर विश्वविद्यालय आयोग (1917-19) की स्थापना की गई थी, लेकिन इसकी सिफारिशें कमोबेश अन्य विश्वविद्यालयों में भी लागू थीं।

प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के लिए अपनी सिफारिशें दीं।	प्राथमिक या माध्यमिक शिक्षा पर रिपोर्ट करने से रोका गया था।	इसमें स्कूली शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय शिक्षा तक के पूरे क्षेत्र की समीक्षा की गई। यह विचार है कि विश्वविद्यालय शिक्षा में सुधार के लिए, माध्यमिक शिक्षा में सुधार एक आवश्यक पूर्व शर्त थी।

Q.40) **सामाजिक-धार्मिक आंदोलनों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. वहाबी आंदोलन अपने दृष्टिकोण में सुधारवादी था।
2. फ़रैज़ी आंदोलन का उद्देश्य मुसलमानों के मध्य वर्तमान सामाजिक नवाचार को बढ़ावा देना था।
3. देवबंद स्कूल ने अलीगढ़ आंदोलन और उसके सिद्धांतों का विरोध किया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 3
d) 1, 2 और 3

Q.40) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**असत्य**	**सत्य**
वहाबी आंदोलन एक पुनरुत्थानवादी आंदोलन था जिसने उन सभी गैर-इस्लामी प्रथाओं को समाप्त करके इस्लाम को शुद्ध करने की कोशिश की थी, जो मुस्लिम समाज में युगों से चली आ रही थी। इसने 1830 से 1860 तक भारत में ब्रिटिश	फ़रैज़ी आंदोलन, जिसे फ़रीदी आंदोलन भी कहा जाता है, क्योंकि यह विश्वास के इस्लामिक स्तंभों पर जोर देने के कारण, 1818 में हाजी शरियातुल्ला द्वारा स्थापित किया गया था। इसकी कार्रवाई का क्षेत्र पूर्वी बंगाल था, तथा यह सामाजिक नवाचारों के उन्मूलन के उद्देश्य से था या मुसलमानों के बीच गैर इस्लामी प्रथाओं के उन्मूलन से था	देवबंद स्कूल ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गठन का स्वागत किया तथा 1888 में सैयद अहमद खान के संगठनों, यूनाइटेड पैट्रियटिक एसोसिएशन और मोहम्मद एंग्लो-ओरिएंटल एसोसिएशन के खिलाफ फतवा (धार्मिक फरमान) जारी किया।

वर्चस्व के लिए सबसे गंभीर और सुनियोजित चुनौती प्रस्तुत की	तथा ये मुसलमानों के रूप में अपने कर्तव्यों पर अपना ध्यान आकर्षित करते थे।	

Copyright © by IASbaba

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of IASbaba.